राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस 2024 पर संवादात्मक बैठक-सह-जागरूकता अभियान आयोजित

16 जनवरी 2024, कोलकाता

भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता के अधिकार क्षेत्र के तहत सस्य श्यामला कृषि विज्ञान केंद्र (एसएसकेवीके), रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा आज एक संवादात्मक बैठक-सह-जागरूकता अभियान का हाइब्रिड मोड में आयोजन किया गया।

अटारी, कोलकाता के निदेशक डॉ. प्रदीप डे ने अपने भाषण में कहा कि आज की दुनिया में स्टार्टअप अनंत संभावनाओं को उजागर कर रहे हैं, जो राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस 2024 की थीम भी है। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप भारतीय कृषि में एक नया क्रांति लाने और अत्याधुनिक परिप्रेक्ष्य पेश करने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप को समृद्ध होने के लिए नवोन्मेषी होने की जरूरत है तथा कृषि क्षेत्र में स्टार्ट-अप को उभरती प्रौद्योगिकियों में कुशल होने के साथ-साथ महत्वपूर्ण प्रयोग स्तर की ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए स्टार्टअप वित्तीय विशेषज्ञों, तकनीकी विशेषज्ञों और कृषि शोधकर्ताओं के साथ काम करना चाहिए। साथ ही डॉ. डे ने मार्ग मेंटरिंग प्लेटफॉर्म, सीड फंड स्कीम, फंड ऑफ फंड्स स्कीम और स्टार्ट-अप के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम का भी उपयोग करने की सुझाव दिया।

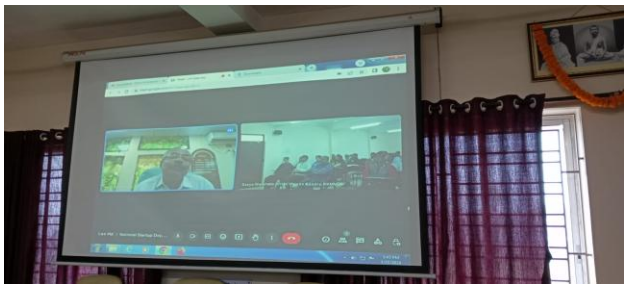

श्री सुदीप गांगुली, परियोजना निदेशक, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी, दक्षिण 24 परगना ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जिनका उपयोग राज्य के स्टार्टअप कर सकते हैं। इसके साथ ही श्री गांगुली कहा कि एसएसकेवीके के साथ व्यापक सहयोग के लिए एजेंसी प्रतिबद्ध है।

एसएसकेवीके के प्रमुख डॉ. एन.सी. साहू ने अपने भाषण में उद्यमिता विकास के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा तकनीकी हस्तक्षेप के बारे में उल्लेख किया।

सोनारपुर ब्लॉक, दक्षिण 24 परगना के सहायक कृषि निदेशक श्री दीपू शिकारी और ब्लॉक पशुधन विकास अधिकारी डॉ. कृष्णा प्रसाद मुखर्जी कृषि और पशुपालन उद्यमिता से संबंधित जानकारी दी।

एसएसकेवीके के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. राम बाबू रमन, डॉ. कृष्णेंदु रे, डॉ. स्वागत घोष ने भी इस अवसर ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में कृषि-उद्यमिता में रुचि रखने वाले 25 किसानों, खेतिहर महिलाएं और ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया।